2. हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था (PART -1 कविता) - कार्यपत्रिका उत्तर सूची

1. आशयवाली पंक्तियाँ लिखें।

1. व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
2. हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
3. मैं ने हाथ बढाया
4. मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ
5. दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे / साथ चलने को जानते थे
6. हताशा को जानता था

2. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. विनोद कुमार शुक्ल
2. जानना
3. कवि
4. हताश व्यक्ति को
5. निराश होकर
6. जीवन की समस्याएँ
7. कवि व्यक्ति को नहीं जानते थे पर उसकी हताशा को जानते थे ।
8. उसकी हताशा से
9. क्योंकि कवि उसकी हताश को जानता था ।
10. कवि ने उस व्यक्ति के पास गया और सहायता करने केलिए उसकी ओर हाथ बढाया ।
11. व्यक्ति की समस्या पहचानकर उसकी सहायता करने केलिए
12. सहायता करना
13. क्योंकि वह कवि के हाथ बढाने को जानता था ।
14. व्यक्ति ने कवि का हाथ पकडा और उनके साथ चलने लगा ।
15. अपरिचित/ हताश व्यक्ति
16. कवि और हताश व्यक्ति
17. क्योंकि दोनों साथ चलने को जानता था ।
18. मिलकर चलना
19. हमें किसीको वैयक्तिगत (व्यक्तिगत) रूप से यानी उसके नाम, पता, उम्र, ओहदा, जाति आदि से जानना नहीं चाहिए ।
20. हमें किसीको उसकी हताशा, निराशा, असहायता या संकट को जानना चाहिए ।
21. क्योंकि उस व्यक्ति की मानसिक स्थिति को वे समझ सकते थे ।
22. किसी व्यक्ति की सहायता करने केलिए उसको व्यक्तिगत रूप से जानने की ज़रूरत नहीं है । उसकी हताशा, दुख-दर्द, विवशता, समस्या, आवश्यकता आदि को पहचानना ही असली जानना है । दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना चाहिए ।
23. व्यक्ति के प्रति कवि को सहानुभूति है ।
24. आपसी संबंध मन या हृदय से होना चाहिए ।
25. कवि के मन की भलाई
26. सहानुभूति का भाव
27. दोस्ती और मनुष्यता
28. आश्वासन की

3. आशय समझकर सही मिलान करके लिखें ।

1.

हताशा से एक व्यक्ति	सडक के किनारे बैठा था ।
मैं उस व्यक्ति को नहीं जानता था	हताशा को जानता था ।
मुझे वह नहीं जानता था	मेरे हाथ बढाने को जानते थे ।
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे	साथ साथ चलने को जानता था ।

SREEJITH K, KOVOOR VARKALA, SCR145

4. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

1. कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था ।
2. कवि और व्यक्ति साथ चलने को जानते थे ।

5. गलत प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

1. कवि अपरिचित व्यक्ति को पहले जानता था ।

GRAMMAR PART ACTIVITIES

1. सही विकल्प चुनकर लिखें ।

1. मैं + को = मुझे
2. मैं + का = मेरा
3. मैं + के = मेरे

2. कोष्ठक से सही क्रिया रूप से वाक्य की पूर्ति करें ।

1. कवि और व्यक्ति एक साथ **चलने लगे**।
2. कवि व्यक्ति को हताशा से **जानना चाहते हैं**।

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें. ।

1. **हमें हताशा मालूम है**।
2. **उनको मेरा हाल मालूम होगा**।
3. हम व्यक्ति को नहीं **जानते थे** ।
4. औरत हताशा से **बैठ रहा था**।
5. कवयित्री व्यक्ति के पास **जाती हैं**।
6. वह साथ **चलता था**।

4. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. कवि हाथ बढाने लगे ।
2. दोनों साथ चलने लगे ।
3. कवि व्यक्ति की हताशा को जानते थे ।
4. मैं व्यक्ति को जानना नहीं चाहता हूँ ।

5. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

1. तुम व्यक्ति को नहीं **जानते हो** ।
2. मैं कुछ नहीं **जानता हूँ** ।
3. व्यक्तियाँ हताशा से **बैठे थे** ।
4. मैंने **उसका** सहारा **किया** ।
5. वे मुझे नहीं **जानते थे** ।
6. मैं साथ **चलने लगा** ।

6. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. व्यक्ति चलता है ।
   व्यक्ति कवि के साथ चलता है ।
   अपरिचित व्यक्ति कवि के साथ चलता है ।
   अपरिचित व्यक्ति कवि के साथ **धीरे-धीरे** चलता है ।

2. हमें हताशा मालूम है ।
   हमें व्यक्ति की हताशा मालूम है ।
   हमें व्यक्ति की हताशा **अच्छी तरह** मालूम है ।
   हमें **अपरिचित** व्यक्ति की हताशा अच्छी तरह मालूम है ।

3. व्यक्ति बैठ गया था ।
   वह व्यक्ति बैठ गया था ।
   वह **असहाय** व्यक्ति बैठ गया था ।
   वह असहाय व्यक्ति **रास्ते पर** बैठ गया था ।

4. मैं ने हाथ बढाया ।
   मैं ने व्यक्ति की तरफ हाथ बढाया ।
   मैं ने **हताश** व्यक्ति की तरफ हाथ बढाया ।
   मैं ने हताश व्यक्ति की तरफ **मदद करने** हाथ बढाया ।

5. मैं नहीं जानता था ।
   मैं व्यक्ति के बारे में नहीं जानता था ।
   मैं **हताश** व्यक्ति के बारे में नहीं जानता था ।
   मैं हताश व्यक्ति के बारे में **कुछ** नहीं जानता था ।

(PART -2 टिप्पणी) - कार्यपत्रिका

1.समानार्थी शब्द चुनकर लिखें ।

1. अनगढता	2. विख्यात	3. सहज	4. दरकार/ आवश्यकता	5. रूढि	6. उम्र
7. संकट / मुसीबत	8. मदद	9. बयान	10. बारीक	11. कारीगरी	12. एहसास
13. ज़ुबान	14. सघन	15. सिद्ध	16. मर्म	17. असहायता	18. घायल
19. लगातार	20. खूबी	21. गज़ल	22. श्रोता	23. पाठ	24. शेष
25. ज़रूरी	26. आप से आप	27. गीतात्मकता	28. ओहदा	29. जानी पहचानी	30. संवेदना

2. विशेषण शब्द लिखें ।

1. सरल	2. जानी-पहचानी	3. अपरिचित	4. हताश	5. बारीक	6. आखिरी
7. आखिरी	8. अंतिम	9. रूढिग्रस्त	10. पूरी	11. शेष	12. असली

5. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. मौलिकता और भाषा की अनगढता
2. लोकगीतों में बार-बार आनेवाले शब्दों को स्थायी कहते हैं ।
3. एकदम बारीक
4. हमें उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट को जानना चाहिए ।
5. व्यक्ति को उसकी हताशा से जानना
6. व्यक्ति को उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानना ।
7. व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से जानना है ।
8. हमारी मदद की
9. हताश, असहाय और संकट में पडे
10. उसकी मदद करनी चाहिए ।
11. घायल पडे व्यक्ति को किसी का मदद की सख्त ज़रूरत है । अत: उसकी जानकारी के बिना सहायता करना अनिवार्य है ।
12. मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने की
13. मनुष्य की तरह
14. मनुष्य में मानवीय संवेदना का या मनुष्यता का बोध होना अनिवार्य है ।
15. यहाँ जानकारियाँ माने किसी व्यक्ति के नाम, उम्र, पता, ओहदा, जाति आदि का नाम है ।
16. सहानुभूति का भाव अपनाना
17. कविता का अर्थ सहज और साफ हैं । सरल शब्दोंवाले वाक्य स्वयं ही अपना मर्म कह देता है ।
18. गीतात्मकता और भाषा प्रयोग
19. दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं ।
20. मनुष्यता यानी इनसानियत मानवीय संबंधों का आधार है ।
21. व्यक्ति को उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने की ।
22. नहीं जानना और जानना का ।
23. नहीं जानना और जानना ।
24. मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ।
25. उसे हम नहीं जानते ।
26. अपनी असहाय हालत में ।

5. सही एक प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

1. व्यक्ति को जानने का मतलब है उसकी हताशा को जानना ।
2. दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं है ।
3. मनुष्यता यानी इनसानियत मानवीय संबंधों का आधार है ।
4. सरल शब्दोंवाले वाक्य स्वयं कविता का मर्म है ।
5. हमें किसी भी मनुष्य की सहायता करनी चाहिए ।
6. हमें किसी भी व्यक्ति की मुसीबतों को जानना चाहिए ।
7. मनुष्य में मनुष्यता होना चाहिए ।
8. हम दूसरों की सहायता करें ।

SREEJITH K KOVOOR VARKALA, SCR145

5. सही तीन प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

1. उसकी हताशा को जानना ।
   उसकी मुसीबत को जानना ।
   उसकी असहायता को जानना ।

2. कविता ' जानना ' शब्द के रूढिग्रस्त अर्थ को बदल देती है ।
   कविता का कुंजी शब्द है - जानना ।
   कविता में मनुष्यता यानी मानवीय संवेदना दिखाने का संदेश है ।

3. यह कविता ' जानना ' की परंपरागत अर्थ को बदल देती है ।
   कविता की अधिकांश पंक्तियाँ पहली दो पंक्तियों का अनुकरण करती है ।
   मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होना आवश्यक है ।

6. सही चार प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

1. हमें व्यक्तियों की हताशा को जानना है ।
   हताश व्यक्ति की सहायता करना हमारा दायित्व है ।
   कविता, जानना शब्द के रूढिग्रस्त अर्थ को पूरी तरह बदल देती है ।
   कविता हमें मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने का संदेश देती है ।

2. ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता परोपकार करने का संदेश बतानेवाली है ।
   कविता के वाक्य सरल अर्थवाले हैं ।
   कविता दूसरों की हताशा, असहायता, संकट आदि को पहचानने की प्रेरणा देनेवाली है ।
   कविता " जानना " के रूढ मूल अर्थ को तोड देनेवाली है ।

3. व्यक्ति के संकट को जानना चाहिए ।
   मुसीबत में पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर मदद करना हमारा कर्तव्य है ।
   जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व है ।
   कविता एक गज़ल की तरह श्रोताओं के ज़ुबान पर स्वयं आ जाते हैं ।

6. संबंध पहचानकर सही मिलान करें ।

1.

कवि व्यक्ति की	हताशा को जानते थे ।
घायल पडे आदमी को	नहीं जानते थे ।
किसी के संकट को नहीं जानते तो	हम कुछ नहीं जानते ।
कवि व्यक्ति को	मदद की ज़रूरत है ।

2.

सडक पर घायल पडे व्यक्ति को	हमारी मदद की ज़रूरत है ।
कविता संदेश है	मनुष्य को जानकारियों से नहीं मनुष्यता से जानना है ।
किसी व्यक्ति को जानने का मतलब	उसकी हताशा, निराशा, असहायता और संकट से जानना है ।
जानने की हमारी परिचित रूढि	व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानना है ।

3.

कविता में नहीं जानना और जानना	लोकगीत के स्थायी की तरह आता है ।
मनुष्यों के बीच जानकारियाँ नहीं	मनुष्यता का बोध होना ज़रूरी है ।
कवि विख्यात हैं	मौलिकता और भाषा की अनगढता केलिए ।
व्याख्या की आवश्यकता नहीं	कविता का अर्थ सहज और साफ हैं ।

4.

गद्य में लिखी कविता में	लिरिकल व गीतात्मकता का बोध खूब मिलता है ।
जानना शब्द के रूढिग्रस्त अर्थ को	पूरी तरह बदल देती है ।
सरल शब्दोंवाले वाक्य	स्वयं अपना मर्म कह देते हैं ।
एक गज़ल की तरह कविता	श्रोताओं के ज़ुबान पर स्वयं आ जाते हैं ।

SREEJITH K, KOVOOR VARKALA, SCR145

5.

हताश व्यक्ति	निराश होकर बैठता है ।
	हाथ पकडकर खडा हो जाता है ।
कवि	सहायता देने केलिए हाथ बढाता है ।
	मनुष्य को मनुष्य के रूप में जानता है ।

7.' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता का आशय समझकर कोष्ठक से तालिका की पूर्ति करें ।

जानने के रूढिग्रस्त आधार	जानने के असली आधार
नाम से जानना	असहायता से जानना
पद से जानना	हालत से जानना
जाति से जानना	निराशा से जानना
रंग से जानना	संकट से जानना

GRAMMAR PART ACTIVITIES

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

1. लेखिका व्यक्ति की मदद <u>**करेगी**</u> । 2. तुम उसकी महायता <u>**करोगे**</u> ।
3. तुझको उसकी हताशा मालूम है । 4. कवयित्री को उसकी हालत मालूम है ।

2. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. इसे हमारी मदद की ज़रूरत है ।

3. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

1. <u>कवयित्री</u> अपनी पूरी बात **कह देती हैं**। 2. <u>मैं</u> कह **सकता हूँ**।
3. <u>संकट</u> अवश्य **पहचानना पडेगा**। 4. <u>महिला</u> **बैठ रही थी**। 5. <u>हम</u> **जानते थे**।

4. सही विकल्प चुनकर लिखें ।

1. वे + को = उन्हें 2. वह + की = उसकी 3. हम + की = हमारी 4. वह + के = उसके

5. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. कवि रूढि को तोड देते हैं ।
कवि हमारी रूढि को तोड देते हैं ।
कवि हमारी **जानी-पहचानी** रूढि को तोड देते हैं ।
कवि **जानने की** हमारी जानी-पहचानी रूढि को तोड देते हैं ।

2. कविता अर्थ को बदल देती है ।
कविता जानना शब्द के अर्थ को बदल देती है ।
कविता जानना शब्द के **रूढि ग्रस्त** अर्थ को बदल देती है ।
कविता जानना शब्द के रूढी ग्रस्त अर्थ को **पूरी तरह** बदल देती है ।

3. व्यक्ति की मदद करनी चाहिए ।
सडक पर पडे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए ।
सडक पर पडे **अपरिचित** व्यक्ति की मदद करनी चाहिए ।
सडक पर **घायल** पडे अपरिचित व्यक्ति की मदद करनी चाहिए ।

4. मदद की ज़रूरत है ।
हमारी मदद की ज़रूरत है ।
व्यक्ति को हमारी मदद की ज़रूरत है ।
हताश व्यक्ति को हमारी मदद की ज़रूरत है ।

SREEJITH P, KOVOOR VARKALA, SCRT45

5. हमने देखा ।
   हमने एक व्यक्ति को देखा ।
   हमने **घायल पडे** एक व्यक्ति को देखा ।
   हमने **सडक पर** घायल पडे एक व्यक्ति को देखा ।

6. जानना चाहिए ।
   हमें जानना चाहिए ।
   हमें **कारण** जानना चाहिए ।
   हमें **हताशा का** कारण जानना चाहिए ।

7. आदमी घायल है ।
   एक आदमी घायल है ।
   एक **अपरिचित** आदमी घायल है ।
   एक अपरिचित आदमी घायल **पडा** है ।

8. वह मुसीबत में है ।
   वह व्यक्ति मुसीबत में है ।
   वह **अनजान** व्यक्ति मुसीबत में है ।
   वह अनजान व्यक्ति **गहरी** मुसीबत में है ।

9. हम नहीं जानते ।
   हम व्यक्ति को नहीं जानते ।
   हम **घायल पडे** व्यक्ति को नहीं जानते ।
   हम **सडक पर** घायल पडे व्यक्ति को नहीं जानते ।

10. कविता ज़ुबान पर आ जाते हैं ।
    कविता गज़ल की तरह ज़ुबान पर आ जाते हैं ।
    कविता गज़ल की तरह **श्रोताओं के** ज़ुबान पर आ जाते हैं ।
    कविता गज़ल की तरह श्रोताओं के ज़ुबान पर **स्वयं** आ जाते हैं ।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145